



हमारा समय

एक पूरी वयस्क भाषा में
हमारा समय
इस सवाल के सामने पड़ा है
जहाँ मौत की शर्त पर
जिंदगी हथियानी है

एक पूरी वयस्क भाषा में
हमारा समय
उस सवाल के सामने खड़ा है
जहाँ झूठ
सच से बड़ा है

जनतंत्र के बाजार में
किसी के सीना ताने
गर्दन उठाये
टिनोपाल के विज्ञापन के साथ
रोब भरी मुस्कान पसारे
चलने
और किसी के
झुकी हुई रीढ़ पर
घायल हो चुकी गर्दन
सम्हाले
चेहरे पर
जंगल की दहशत
और पैरों के नीचे
हुहुआते रेगीस्तान के आतंक का
राज पसारे
गुजरने के फर्क पर
बहस करते हुए
आँख की लाली को

हाथ के गुस्से के हवाले कर देना
सवाल का सामना करने की
पहली शर्त है

एक पूरी वयस्क भाषा में
हमारा समय
इस सवाल के सामने पड़ा है
जहाँ मौत की शर्त पर
जिंदगी हथियानी है

